वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 51 शनिवार 25 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने मादक पदार्थों के नियंत्रण, नशामुक्त भारत के प्रभावी क्रियान्वयन तथा भावी कार्ययोजना की समीक्षा बैठक ली

नशामुक्ति के लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही तय हो: बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने नशामुक्ति के लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही तय किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने मुख्य सचिव स्तर पर इसके लिए त्वरित परिपत्र जारी किए जाने और नशामुक्ति के लिए प्रदेश में प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नशामुक्त राजस्थान के अंतर्गत महीने भर के लिए विशेष अभियान चलाए जाने का भी आह्वान किया।

नशामुक्त राजस्थान के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान

सरकारी विभागों में कहीं कोई नशे में लिप्त मिले तो तुरंत संस्पेंड किया जाए

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को मादक पदार्थों के नियंत्रण, नशामुक्त भारत के प्रभावी क्रियान्वयन तथा भावी कार्योजना के लिए लोकभवन में हुई समीक्षा बैठक में संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी विभागों में कहीं कोई नशे में लिप्त मिले तो तुरंत संस्पेंड किया जाए। विश्वविद्यालयों में भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मादक पदार्थों के सेवन करने वालों पर सख़्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने सीमा क्षेत्र से ड्रोन द्वारा नशीले पदार्थों को भेजे जाने पर चिंता जताते हुए इस सम्बन्ध में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की बात कही। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में कहीं भी किसी तहसील, गांव और कस्बे में नशीले पदार्थ पकड़े जाते हैं तो वहां के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से चर्चा की जाए और उनकी भी इस सम्बन्ध में जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा बड़े बड़े होटलों और सार्वजनिक स्थानों की निगरानी रखते हुए नशामुक्ति अभियान में गंभीर होकर कार्रवाई की जाए।

मादक पदार्थों को रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई करें पुलिस अधिकारी

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को स्वयं भी सजग रहने, नशे से दूर रहने और मादक पदार्थों के उपयोग को रोके जाने के लिए निरंतर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने एक तरफ नशामुक्ति अभियान चलाने और दूसरी तरफ शराब की बिक्री से बढ़ती नशे की प्रवृति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि स्कूलों में नैतिक मूल्यों के प्रसार को बढ़ावा देने से ही समाज में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति को रोका जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नशा आग है। यह तेजी से फैलती है। इसलिए इसे रोका जाना चाहिए।

राजस्थान सरकार को मिला डब्ल्यूएचओ का विश्व तंबाकू निषेध दिवस अवार्ड-2026

डॉ. एस.एन. धोलपुरिया ने प्राप्त किया पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने और तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में किए गए प्रभावी प्रयासों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित समारोह में राजस्थान सरकार की ओर से राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक डॉ. एस.एन. धोलपुरिया ने डब्ल्यूएचओ कंट्री हेड से यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गायत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान को यह सम्मान वर्ष 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय तंबाकू

नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन, नवाचारों और जनसहभागिता आधारित गतिविधियों के लिए प्रदान किया गया है। राज्य ने तंबाकू नियंत्रण के विभिन्न मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। गायत्री राठौड़ ने बताया कि कार्रवाई के क्षेत्र में भी राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2025-26 में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम-2003 के तहत 1,36,666 चालान किए गए।

बुजुर्गों का बार-बार टोकना उनकी चिंता और स्नेह का प्रतीक : आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज

सोनकच्छ. शाबाश इंडिया। पुष्पगिरी तीर्थ में गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज के सानिध्य में अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ वर्षायोग कर रहे हैं। उनके सानिध्य में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गुरुभक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि घर-परिवार के बड़े बुजुर्ग यदि बार-बार पूछते हैं, टोकते हैं या डांटते हैं, तो उसे उनकी चिंता, स्नेह और अपनत्व का प्रतीक समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि 60 वर्ष की आयु के बाद अल्पकालिक स्मरण शक्ति स्वाभाविक रूप से कमजोर होने लगती है, इसलिए बुजुर्गों का बार-बार पूछना उनकी भूल नहीं, बल्कि परिवार के प्रति उनकी चिंता का भाव होता है। आचार्यश्री ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है। संयुक्त परिवारों की परंपरा कमजोर होने से बुजुर्ग अकेलेपन का जीवन जीने को विवश हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने घर के बुजुर्गों को समय दें, उनकी बातें प्रेमपूर्वक सुनें और उनका सम्मान करें। साथ ही बुजुर्गों से भी अपेक्षा की कि वे नई पीढ़ी की व्यस्तताओं को समझते हुए अनावश्यक टोका-टाकी से बचें, ताकि परिवार में प्रेम, सम्मान और सौहार्द बना रहे। यह जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक रोमिल पाटणी (सोनकच्छ), नरेंद्र अजमेरा एवं पियूष कासलीवाल (औरंगाबाद) ने दी।

श्रेष्ठ अभिभावक बन बच्चों को संस्कारित करें : मुनि श्रमण सागर जी महाराज

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। धर्मनगरी राघौगढ़ स्थित विद्यासागर सभागार में आयोजित श्रमण धारा प्रवचनमाला में इस सदी के महान संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने अभिभावकों को बच्चों के संस्कारों पर महत्वपूर्ण संदेश दिया। मुनिश्री ने कहा कि बच्चों को संस्कारित करना माता-पिता का प्रथम कर्तव्य है। संयुक्त परिवारों के विघटन और व्यस्त जीवनशैली के कारण नई पीढ़ी संस्कारों से दूर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि बालक को पांच वर्ष तक स्नेह, पांच से पंद्रह वर्ष तक अनुशासन और उसके बाद मित्रवत व्यवहार मिलना चाहिए। यही श्रेष्ठ अभिभावक की पहचान है। उन्होंने संत विनोबा भावे और आचार्य विद्यासागर जी महाराज के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उचित मार्गदर्शन, अनुशासन और प्रेम से ही आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण होता है। मुनिश्री ने छोटे बच्चों के हाथों में मोबाइल देने की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनकी दिनचर्या, शिक्षा और संस्कार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बच्चों को समय पर सोने, प्रातःकाल उठकर पूजा-अर्चना एवं अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम संयोजक विकास कुमार जैन ने बताया कि 28 जुलाई को मुनि संघ चातुर्मास का संकल्प लेगा। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज का दीक्षा दिवस तथा 30 जुलाई को वीर शासन जयंती विविध धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाई जाएगी।

अष्टान्हिक पर्व पर धुलियान में श्रद्धाभाव से संपन्न हुआ श्री सिद्धचक्र विधान

धुलियान (मुर्शिदाबाद), पश्चिम बंगाल। अष्टान्हिक पर्व के तृतीय दिवस धुलियान स्थित जैन मंदिर में धुलियान जैन समाज के तत्वावधान में एक दिवसीय श्री सिद्धचक्र विधान श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। विधान के दौरान श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से श्री सिद्धचक्र विधान के संपूर्ण अर्घ्य समर्पित किए। इसके पश्चात वैदिक एवं जैन परंपरा के अनुसार हवन का आयोजन किया गया, जिसके साथ विधान का समापन हुआ। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। इस धार्मिक आयोजन में समाज की महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं सभी प्राणियों के कल्याण की मंगलकामना की। धुलियान जैन समाज द्वारा आयोजित यह आयोजन श्रद्धा, सामूहिक सहभागिता और धार्मिक आस्था का सुंदर उदाहरण रहा। – **संजय कुमार जैन बड़जात्या**

दृष्टिहीन बालिकाओं की सेवा से मिला आत्मसंतुष्टि का सुख

लाडली घर में 35 बालिकाओं को कराया सात्विक एवं मिष्ठान युक्त भोजन

अजमेर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब अजमेर आस्था ने सेवा, संवेदना और समर्पण की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय संत श्री कृष्णानन्द जी महाराज द्वारा स्थापित लाडली घर में निवासरत 35 दृष्टिहीन बालिकाओं को शुद्ध, सात्विक एवं मिष्ठान युक्त भोजन कराया। यह सेवा कार्य पीसांगन निवासी दीपक छाजेड़ के सहयोग से आयोजित किया गया। क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया ने बताया कि पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदमचंद जैन के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम से पहले क्लब सदस्यों ने बालिकाओं की शिक्षा, दैनिक दिनचर्या एवं अन्य आवश्यकताओं की जानकारी ली, ताकि भविष्य में उनकी जरूरतों के अनुरूप सेवा कार्य किए जा सकें। इस अवसर पर लायन सत्येंद्र मालू, लाइनेड शिमला बाफना सहित अन्य सदस्यों ने आत्मीय भाव से बालिकाओं को अपने हाथों से भोजन परोसकर सेवा का सौभाग्य प्राप्त किया। सेवा के दौरान बालिकाओं के चेहरे पर झलकती मुस्कान ने सभी को भावविभोर कर दिया और कार्यकर्ताओं को आत्मसंतुष्टि का अनुभव कराया। कार्यक्रम के अंत में क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने सेवा सहयोगी दीपक छाजेड़ एवं उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग और सहभागिता से ही ऐसे सेवा कार्य निरंतर संभव हो पाते हैं। राष्ट्रीय संत श्री कृष्णानन्द जी महाराज ने सभी उपस्थितजनों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि निस्वार्थ सेवा मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म है और जरूरतमंदों की सहायता ही सच्ची मानवता की पहचान है। मिशन मुस्कान के प्रांतीय सभापति लायन अतुल पाटनी ने बताया कि लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ए-2 के प्रांतपाल लायन निशांत जैन के प्रांतीय स्लोगन ₹फ्लाइट ऑफ ड्रीम₹ के अंतर्गत क्लब निरंतर सेवा गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां, सम्मान और आत्मविश्वास का संचार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजनीति

अब बारिश और बाढ़ का कहर

कांतिलाल मांडोत

देश के अनेक राज्यों में इस समय मानसून राहत के बजाय आफत बनकर बरस रहा है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और उफनती नदियों ने हालात गंभीर बना दिए हैं। कहीं गांवों का संपर्क टूट गया है तो कहीं शहरों की सड़कें जलमग्न हैं। खेतों में खड़ी फसलें डूब गई हैं और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा है, लेकिन लगातार बारिश चुनौती को और कठिन बना रही है। सबसे गंभीर स्थिति गुजरात के दक्षिणी जिलों में है। सूरत, वलसाड, वापी, उमरगाम और पारडी में चौबीस घंटे के भीतर रिकॉर्ड वर्षा दर्ज की गई। वलसाड जिले के कपराडा क्षेत्र में सोलह इंच से अधिक बारिश हुई। औरंगा, पार और कोलक नदियां उफान पर हैं, जिससे कई कॉजवे डूब गए और आवागमन ठप हो गया। अनेक आवासीय सोसायटियां जलमग्न हो गईं। प्रशासन ने राहत अभियान चलाकर सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। सूरत में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं तथा संवेदनशील इलाकों में चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में शारदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नेपाल के बनबसा बैराज से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद कई गांवों का संपर्क टूट गया है। मझौरा-इमलिया मार्ग जलमग्न होने से ग्रामीणों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। खेतों में पानी भरने से फसलें नष्ट हो गई हैं। बाढ़ के साथ मगरमच्छ आबादी तक पहुंचने से लोगों में भय का माहौल है। वन विभाग निगरानी कर रहा है, जबकि जिला प्रशासन राहत सामग्री, खाद्यान्न और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने का दावा कर रहा है। उत्तराखंड में लगातार वर्षा से भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई हैं। पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी में सड़कें बाधित हैं, जबकि मसूरी और देहरादून मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है। बिहार के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी है और जलभराव की आशंका बढ़ गई है। पंजाब और चंडीगढ़ में भी सड़कों तथा रिहायशी इलाकों में पानी भरने से जनजीवन प्रभावित हुआ है।

संपादकीय

प्रधानमंत्री की अपील और छात्रों का भरोसा

हाल के दिनों में देशभर में नीट तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर छात्रों का व्यापक आंदोलन देखने को मिला है। युवाओं के भविष्य और आकांक्षाओं से जुड़े इस मुद्दे ने राजनीतिक तथा सामाजिक विमर्श को भी प्रभावित किया है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील और सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों को गंभीरता से देखना आवश्यक है। छात्रों की चिंताओं को

संबोधित करते हुए सरकार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, फास्ट-ट्रैक कोर्ट के गठन तथा परीक्षा प्रणाली में सुधार का भरोसा दिया है। यह संदेश छात्रों के प्रति संवेदनशीलता के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने का प्रयास भी है। पिछले कुछ सप्ताहों में दिल्ली सहित कई शहरों में हजारों छात्र सड़कों पर उतरे। नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित पेपर लीक, ग्रेस मार्किंग विवाद और अन्य अनियमितताओं ने लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। अधिकांश विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, हालांकि कुछ स्थानों पर पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज की घटनाएं भी सामने आईं। विपक्षी दलों ने संसद में इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने की बात कही। इस पूरे घटनाक्रम के बीच प्रधानमंत्री का संदेश महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार की ओर से कहा गया है कि छात्रों की सुरक्षा और उनके हित सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। पेपर लीक की जानकारी मिलते ही जांच शुरू की गई तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। फास्ट-ट्रैक कोर्ट की स्थापना का निर्णय भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों को किसी भी परिस्थिति में कलंकित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही मार्गदर्शन और न्याय मिलना चाहिए। यह दृष्टिकोण युवाओं के प्रति सरकार की जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। यह आंदोलन केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की परीक्षा प्रणाली में मौजूद गहरी खामियों को भी उजागर करता है। बार-बार सामने आने वाले पेपर लीक, कथित परीक्षा माफिया, परीक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर उठते सवाल और पारदर्शिता की कमी ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। नीट जैसी एकल परीक्षा पर अत्यधिक निर्भरता ने छात्रों पर मानसिक दबाव भी बढ़ाया है। लाखों विद्यार्थी वर्षभर की मेहनत को दांव पर लगा हुआ महसूस कर रहे हैं। इस आंदोलन में ग्रामीण क्षेत्रों और छात्राओं की बड़ी भागीदारी यह दर्शाती है कि गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष शिक्षा की मांग अब व्यापक जनभावना बन चुकी है। प्रधानमंत्री की अपील का स्वागत किया जा सकता है, लेकिन इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि समाधान केवल आश्वासनों तक सीमित न रहे। सरकार को पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करनी चाहिए तथा दोषी अधिकारियों और अपराधियों के विरुद्ध समयबद्ध एवं कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

लोकआस्था का महापर्व 'हरेली'

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

प्रचंड ग्रीष्म की तपन से झुलसी धरती जब वर्षा की शीतल फुहारों से तृप्त होती है, तब प्रकृति नवजीवन से भर उठती है। खेत-खलिहान हरियाली की चादर ओढ़ लेते हैं, वृक्षों पर नई कोंपलें फूटती हैं और किसान के चेहरे पर भी नई उम्मीद झलकने लगती है। सावन अमावस्या पर मनाया जाने वाला हरेली पर्व इसी हरियाली, समृद्धि और कृषि संस्कृति का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ में इसे केवल त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि और लोकजीवन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाले महापर्व के रूप में देखा जाता है। 'हरेली' शब्द की उत्पत्ति 'हरियाली' से मानी जाती है। वर्षा ऋतु में धरती पर छाई हरितिमा, जीवन के नवसंचार और कृषि चक्र की शुरूआत का यह पर्व छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न अंग है। लोकमान्यता है कि हरेली से ही प्रदेश में त्योहारों की श्रृंखला प्रारंभ होती है। इसके बाद पोला, तीजा, पितृपक्ष, नवरात्र, दीपावली और अन्य प्रमुख पर्व क्रमशः आते हैं। इसी कारण इसे 'त्योहारों का द्वार' भी कहा जाता है। कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ का जनजीवन खेती और प्रकृति से गहराई से जुड़ा है। धान की बुआई का अधिकांश कार्य पूरा होने के बाद किसान कुछ राहत महसूस करता है और अपनी आजीविका के आधार–धरती, पशुधन और कृषि उपकरणों–के प्रति आभार प्रकट करता है। हरेली श्रम, अन्नदाता और कृषि परंपरा के सम्मान का पर्व है। इस दिन किसान हल, कुदाली, रापा, फावड़ा, बैलगाड़ी और अन्य कृषि उपकरणों की साफ-सफाई कर उनकी पूजा करते हैं। बैलों तथा अन्य मवेशियों को स्नान कराकर उनके सींगों पर तेल और हल्दी लगाई जाती है तथा उन्हें विशेष आहार दिया जाता है। यह परंपरा भारतीय कृषि संस्कृति में पशुधन के महत्व और मानव तथा प्रकृति के सहजीवी संबंध को रेखांकित करती है। हरेली का धार्मिक और लोकआस्थात्मक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामदेवता, कुलदेवता तथा प्रकृति की शक्तियों की पूजा की जाती है। अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, परिवार की सुख-समृद्धि और गांव की खुशहाली की कामना की जाती है। घरों के मुख्य द्वार पर नीम की टहनियां लगाने की परंपरा आज भी प्रचलित है, जिसे रोगों और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व लोककला और पारंपरिक खेलों का भी उत्सव है। गांवों में गेड़ी दौड़, कबड्डी, रस्साकशी, फुगड़ी और नारियल फेंक जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। विशेष रूप से बांस की गेड़ी पर चलना हरेली की विशिष्ट पहचान है। बच्चे और युवा उत्साहपूर्वक इसमें भाग लेते हैं, जिससे लोकपरंपराएं नई पीढ़ी तक सहज रूप से पहुंचती हैं। हरेली सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। ग्रामीण सामूहिक पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक भोज का आयोजन करते हैं। किसान अपने सहयोगियों और खेतिहर मजदूरों का सम्मान करते हैं। यह परंपरा आपसी सहयोग, समानता और सामुदायिक एकता की भावना को मजबूत बनाती है। वर्तमान समय में जब पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन वैश्विक चिंता के विषय हैं, तब हरेली का महत्व और बढ़ जाता है। यह पर्व हमें वृक्षों, जलस्रोतों, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश देता है। आवश्यकता है कि इसकी मूल भावना को सुरक्षित रखते हुए इसे प्रकृति, कृषि, लोकसंस्कृति और सामाजिक सद्भाव के उत्सव के रूप में आगे बढ़ाया जाए। हरेली हमें याद दिलाता है कि वास्तविक समृद्धि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन, श्रम के सम्मान और सामूहिक संस्कृति के संरक्षण में निहित है।

सिद्धचक्र महामंडल विधान में उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का महासागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

अजमेर रोड स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धावास में राष्ट्रसंत आचार्य सुनील सागर महाराज की सुयोग्य शिष्या सुविज्ञमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित नौ दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हो रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु विधान में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। मंदिर समिति के संरक्षक एवं निर्माण संयोजक जय कुमार जैन-बड़जात्या ने बताया कि विधान के अंतर्गत शुक्रवार को सौधर्म इन्द्र, कुबेर इन्द्र, मैना सुंदरी-श्रीपाल एवं यज्ञ नायक के नेतृत्व में भक्तिभाव से 64 अर्घ्य समर्पित किए गए। मंदिर समिति अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बैद ने बताया कि इस अवसर पर बाल ब्रह्मचारिणी श्रेया दीदी एवं प्रतिष्ठाचार्य अक्षय भैया

के प्रेरक प्रवचन हुए। अक्षय भैया ने कहा कि ''जहां णमोकार होता है, वहां अहंकार नहीं होता।'' णमोकार मंत्र का जाप और ध्यान व्यक्ति को विनम्र बनाता है, जबकि अहंकार सदैव पतन का कारण बनता है। बाल ब्रह्मचारिणी श्रेया दीदी ने कहा कि सिद्धों की आराधना आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है और श्रावक को सिद्धत्व की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि भगवान के प्रति निष्काम भक्ति अशुभ कर्मों का क्षय करती है। हमारी भक्ति सती चंदनबाला और भक्त मीरा जैसी अटूट एवं समर्पित होनी चाहिए। मंदिर समिति के मंत्री मितेश ठोलिया ने बताया कि सायंकाल श्री सन्मति सुनीलम् महिला मंडल के निर्देशन में सिद्धचक्र महामंडल विधान पर आधारित धार्मिक अंताक्षरी का ज्ञानवर्धक एवं रोचक आयोजन किया गया। महिला मंडल की प्रचार मंत्री रीता जैन ने बताया कि इस अवसर पर सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य विकास पाटोदी परिवार, यज्ञ नायक बनने का सौभाग्य हैमेन्द्र लुहाड़िया परिवार, कुबेर इन्द्र बनने का सौभाग्य जय कुमार जैन-बड़जात्या परिवार तथा मैना सुंदरी-श्रीपाल बनने का सौभाग्य अल्पना ठोलिया परिवार को प्राप्त हुआ। सहमंत्री नरेन्द्र गोधा एवं मनोज जैन-पचेवर ने बताया कि प्रतिदिन सायंकाल महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक, ज्ञानवर्धक एवं संस्कारवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य धर्म के साथ-साथ जीवन मूल्यों को व्यवहार में उतारने के लिए प्रेरित करना है।

उपहार देकर बच्चों को शिक्षा के लिए किया प्रेरित

आंगनवाड़ियों में गणवेश वितरण, 50 बच्चों को मिला लाभ

अजमेर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब अजमेर आस्था ने जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश से अलवर गेट क्षेत्र की दो आंगनवाड़ियों में गणवेश वितरित किए। इस सेवा कार्य से 50 नन्हे-मुन्ने बच्चों को लाभ मिला। क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया ने बताया कि प्रांतीय सभापति मिशन मुस्कान लायन अतुल पाटनी के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम के तहत अलवर गेट स्थित स्लम क्षेत्र नोनकरण का आहता एवं राबड़िया मोहल्ला द्वितीय की आंगनवाड़ियों में अध्ययनरत बच्चों को गणवेश भेंट किए गए। इस सेवा कार्य में समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी, दिल्ली निवासी राजेश जैन तथा अजमेर के एक होजरी व्यवसायी का सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान नोनकरण का आहता आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता दीपमाला लोहिया एवं सहायिका पिंकी चौधरी को 25 गणवेश तथा राबड़िया द्वितीय आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता अनीता तोषनीवाल एवं सहायिका रजनी गहरवार को 25 गणवेश सौंपे गए। बाद में बच्चों के अभिभावकों एवं स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में गणवेश बच्चों को वितरित किए गए। गणवेश प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उपस्थित अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महावीर इंटरनेशनल नौगामा ने वितरित की जीवन रक्षक किट

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश: विद्यालय में पोस्टर का विमोचन एवं वृक्षारोपण भी किया गया

नौगामा (बांसवाड़ा). शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा राजकीय पीएम श्री विद्यालय, टांडी नानी (ब्लॉक गंगातलाई) में आयोजित राजस्थान स्काउट-गाइड संगोष्ठी के दौरान जीवन रक्षक किट का वितरण किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण पोस्टर का विमोचन कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य बीनू परमार, महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, हरीश उपाध्याय, अश्विन जोशी, दिनेश चंद्र चरपोटा, नरेंद्र जोशी, स्काउट मास्टर एवं विद्यालय स्टाफ की उपस्थिति में जीवन रक्षक किट वितरित की गई। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने कहा कि वर्तमान समय में कम उम्र के लोगों में भी हृदयाघात (हार्ट अटैक) के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसी आपात स्थिति में अस्पताल पहुंचने में समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि जीवन रक्षक किट में प्राथमिक उपचार के लिए आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जो चिकित्सकीय सहायता मिलने तक मरीज को प्रारंभिक राहत पहुंचाने में सहायक हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस किट का उपयोग चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं है, बल्कि आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक सहायता के रूप में किया जाना चाहिए। प्रधानाचार्य बीनू परमार ने महावीर इंटरनेशनल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के जनजागरूकता एवं सेवा कार्यक्रम विद्यार्थियों और समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने संस्था का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण पोस्टर का विमोचन भी किया गया। वक्ताओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए कपड़े की थैली अपनाने का आह्वान करते हुए ''कपड़े की थैली, मेरी सहेली'' का संदेश दिया। इस अवसर पर शाखा की ओर से अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा एपेक्स कार्यालय से प्राप्त 'महावीर प्रवाह' पत्रिका की प्रति भेंट की गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में स्काउट मास्टर शिवलाल गरासिया, प्रेमशंकर, आनंद सिंह, नट्टू भाई, रंजन लबाना, विद्यालय की गाइड छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

97वें जन्मदिवस पर विशेष (25 जुलाई 2026)

प्रवीण चंद्र छाबड़ा: एक व्यक्तित्व, अनेक आयाम

प्रवीण चंद्र छाबड़ा का जीवन कर्म, विनम्रता, सादगी और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। अपने नाम के अनुरूप उन्होंने हर क्षण अपनी प्रज्ञा, संवेदनशीलता और कर्मशीलता से समाज को समृद्ध किया। उनके व्यक्तित्व में जैन दर्शन की अहिंसा, नम्रता, सेवा और सबको साथ लेकर चलने की भावना सहज रूप से परिलक्षित होती है। 97वें वर्ष में प्रवेश करते हुए उनका जीवन लगभग आठ दशकों की पत्रकारिता, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण की प्रेरक यात्रा का साक्षी है। बाल्यकाल से ही उनमें नेतृत्व क्षमता और सृजनशीलता के संस्कार स्पष्ट दिखाई देते थे। मात्र 12 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने साथियों के साथ 'शिशु क्लब' की स्थापना की तथा एक हस्तलिखित समाचार-पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया। यही पहल आगे चलकर उनके सफल पत्रकारिता जीवन की मजबूत आधारशिला बनी। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर ने उनके भीतर राष्ट्रप्रेम और जनसेवा की भावना को और प्रखर किया। स्वतंत्र भारत की प्रथम प्रभात के साक्षी बनने से लेकर राजस्थान विधानसभा के प्रथम सत्र की रिपोर्टिंग तक उन्होंने इतिहास को निकट से देखा और अपनी निष्पक्ष, संवेदनशील तथा सशक्त लेखनी के माध्यम से उसे समाज तक पहुँचाया। प्रवीण चंद्र छाबड़ा के लिए पत्रकारिता केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जनहित और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का सशक्त माध्यम रही। उन्होंने पत्रकारों के अधिकारों की सुरक्षा, प्रेस क्लब की स्थापना, पत्रकार आवास योजना तथा श्रमजीवी पत्रकारों के सम्मान और कल्याण के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। इसी कारण पत्रकारिता जगत में वे आज भी स्नेह, सम्मान और आत्मीयता के साथ 'भाईसाहब' के नाम से जाने जाते हैं। उनका व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। समर्पण, ईमानदारी और सामाजिक प्रतिबद्धता से परिपूर्ण उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्ची सफलता केवल उपलब्धियों में नहीं, बल्कि समाज के लिए किए गए सतत योगदान में निहित होती है।

आष्टानिका पर्व पर आर्यिकाओं के प्रवचन, आचार्य विहर्षसागर जी महाराज ने दिया आत्मबोध का संदेश

किशनगढ़. शाबाश इंडिया

आष्टानिका पर्व के अवसर पर जैन भवन में आयोजित धर्मसभा का शुभारंभ आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज, 108 श्री विरागसागर जी महाराज एवं 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज के चित्रों के अनावरण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में आज के पुण्यार्जक श्रावक श्रेष्ठी विजय दगड़ा परिवार, पवन पाटनी (कालू वाले) परिवार, पवन पांड्या (ऊटड़ा वाले) परिवार एवं प्रेमचंद सेठी परिवार ने आचार्य 108 श्री विहर्षसागर जी महाराज का पादप्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किए तथा सायंकालीन महाआरती का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर आर्यिका गौड़हर्ष माताजी एवं आर्यिका विजयाहर्ष माताजी ने आष्टानिका पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए धर्म, साधना और आत्मकल्याण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह पर्व आत्मशुद्धि, संयम और आराधना के माध्यम से आत्मोन्नति का श्रेष्ठ अवसर है। अपने प्रेरणादायी प्रवचन में आचार्य विहर्षसागर जी महाराज ने कहा कि ''स्वबुद्धि सुखकारणम'', अर्थात जागृत बुद्धि ही वास्तविक सुख का आधार है। सच्चा सुख किसी व्यक्ति, वस्तु या परिस्थिति में नहीं, बल्कि अपने भीतर निहित है। उन्होंने कहा कि आज अधिकांश लोग अपने सुख-दुःख का नियंत्रण दूसरों के हाथों में सौंप देते हैं। किसी की बात या किसी की उन्नति देखकर मन विचलित हो जाता है, जबकि आत्मचिंतन और आत्मबोध ही स्थायी आनंद का मार्ग है। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन अत्यंत मूल्यवान और सीमित है, इसलिए प्रत्येक क्षण को सार्थक बनाना चाहिए। संसार में विवेकपूर्ण निर्णय लेने वाला व्यक्ति ही वास्तविक सुख और शांति का अनुभव करता है। उन्होंने कहा, 'व्यवस्था तब बिगड़ती है, जब निर्णय लेने वाले एक से अधिक हो जाते हैं।' इसलिए अपनी जागृत बुद्धि पर विश्वास रखते हुए मुनिराजों के वचनों को जीवन में अपनाना चाहिए। प्रवचन के अंत में आचार्यश्री ने प्रेरक संदेश देते हुए कहा, ''सुनो सबकी, करो मन की। भगवान ने सभी को बुद्धि देकर भेजा है, बुद्धू बनाकर नहीं। इसलिए अपनी जागृत बुद्धि का उपयोग करें और अपने अंतर्मन की आवाज को पहचानें।''

आत्मशांति से सर्वजीव मंगल तक की साधना है "ओम शांति" जाप: युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शांतिभवन में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने कहा कि ओम शांति, शांति, शांति जिनेश्वर शांति करो, सभी जीवों को सुखी करो केवल एक पारंपरिक जाप नहीं, बल्कि आत्मशांति से आगे बढ़कर समस्त जीवों के कल्याण की मंगलभावना का प्रतीक है। सामूहिक ओम शांति जाप के दौरान उन्होंने कहा कि तीर्थंकर परमात्मा की देशना और जिनवाणी के प्रति श्रद्धा व्यक्ति को आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर करती है। युवाचार्यश्री ने कहा कि ओम शांति जाप का महत्व केवल शब्दों के उच्चारण में नहीं, बल्कि उसके आध्यात्मिक भाव को समझकर जीवन में उतारने में है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में ओम प्रणव का प्रतीक है, जबकि शांति का स्मरण साधक को अपने अंतर्मन की ओर ले जाकर मानसिक विकारों के शमन की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक शांति बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि क्रोध, मान, माया, लोभ और अन्य कषायों पर विजय प्राप्त करने से मिलती है। जिस प्रकार रोग दूर होने पर पीड़ा समाप्त होती है, उसी प्रकार कषायों का प्रभाव क्षीण होने पर आत्मिक शांति का अनुभव होता है। इसलिए परिस्थितियों को बदलने के बजाय अपने भावों को साधना ही सच्ची साधना है। भगवान शांतिनाथ के नाम की महिमा बताते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि श्रद्धा और भाव से किया गया नामस्मरण साधक के मन को एकाग्र करता है तथा उसे आंतरिक संबल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि परमात्मा के नाम, गुण और स्तवन की सार्थकता केवल जप में नहीं, बल्कि श्रद्धा, भावना और आत्मचिंतन में निहित है। सामूहिक जाप की लय साधकों को एक मंगलभाव से जोड़कर साधना को और अधिक प्रभावी बनाती है। उन्होंने कहा कि संसार में शांति स्थापित करने की शुरूआत स्वयं के भीतर से करनी होगी। क्रोध के स्थान पर क्षमा, द्वेष के स्थान पर मैत्री, लोभ के स्थान पर संतोष तथा अहंकार के स्थान पर विनय का भाव विकसित करना ही आत्मिक शांति की दिशा में वास्तविक पुरुषार्थ है। युवाचार्यश्री ने कहा कि जैन धर्म की मंगलभावना केवल अपने सुख तक सीमित नहीं है। जिनेश्वर शांति करो, सभी जीवों को सुखी करो का संदेश जीवमात्र के प्रति करुणा, मैत्री और सर्वकल्याण की भावना का प्रतीक है। जब साधक अपने सुख से आगे बढ़कर समस्त जीवों के मंगल की कामना करता है, तभी उसकी आराधना सार्थक होती है। उन्होंने कहा कि ओम शांति जाप तभी सफल माना जाएगा, जब उसका प्रभाव व्यक्ति के विचार, वाणी और व्यवहार में दिखाई दे। यदि जाप के बाद भी मन में क्रोध, द्वेष और अशांति बनी रहे, तो साधक को आत्ममंथन करना चाहिए। जाप की परिणति मन की निर्मलता, वाणी की मधुरता, व्यवहार की सहजता और प्रत्येक जीव के प्रति मैत्रीभाव के रूप में प्रकट होनी चाहिए। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि सामूहिक ओम शांति जाप में चातुमार्सार्थ विराजित यशोदिप्ती मधुकंवरजी उपप्रवर्तिनी, दिव्यज्योतिजी, महासती सुचेता जी, साध्वी प्रियदर्शनाजी सहित साध्वीवृंद, शांतिभवन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर नवदीक्षित महक ऋषिजी के जन्मदिवस पर साधु-साध्वीवृंद एवं श्रद्धालुओं ने उन्हें शुभकामनाएं एवं मंगलाशीष प्रदान किए।

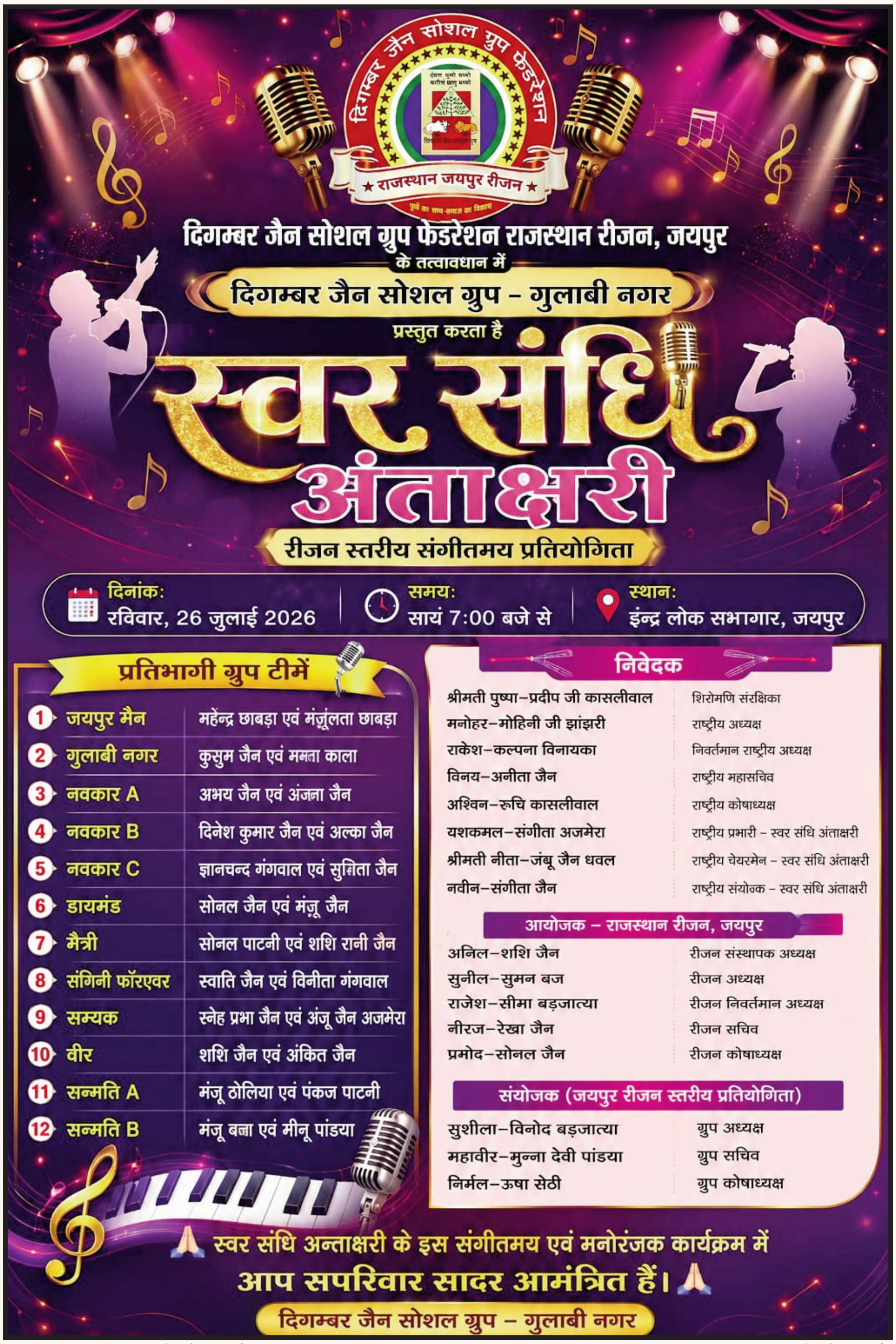

मुनिश्री समत्व सागर जी महाराज ससंघ का नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी में भव्य मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

युवा श्रुत संवाहक मुनिश्री समत्व सागर जी महाराज, मुनिश्री शीलसागर जी महाराज एवं मुनिश्री सुप्रभातसागर जी महाराज ससंघ का शुक्रवार प्रातः नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच संपन्न हुआ। प्रातः 7 बजे आयोजित मंगल प्रवेश में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, महिला मंडल, युवाओं एवं बालक-बालिकाओं ने भाग लेकर धर्म जयघोष के साथ मुनिसंघ का भावभीना स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की मंगलध्वनि और भक्तिमय भजनों के बीच निकली शोभायात्रा से पूरा मार्ग धार्मिक उल्लास से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर मुनिसंघ का अभिनंदन किया, वहीं विभिन्न स्थानों पर समाजजनों ने मंगल आरती एवं वंदना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचने पर समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने मुनिश्री ससंघ का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री समत्व सागर जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य आत्मकल्याण है। संयम, तप, स्वाध्याय और सदाचार के माध्यम से ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अहिंसा, सत्य, आत्मचिंतन और आत्मसंयम को जीवन में अपनाकर ही व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है। धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि श्रेष्ठ आचरण और सद्व्यवहार के रूप में जीवन में दिखाई देना चाहिए। इस अवसर पर राजेश जैन, अशोक जैन, दिनेश जैन, सत्येंद्र जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, महिला मंडल के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भावी सिद्धात्मा के चरण छतरी पर सजल नेत्रों से किए गुरु दर्शन

समाधि स्थल पर भावविभोर हुए आचार्य वर्धमानसागर जी, शहर के जैन मंदिरों में भी किए दर्शन

सीकर. शाबाश इंडिया। गुरु-भक्ति, श्रद्धा और वात्सल्य का अद्भुत दृश्य उस समय देखने को मिला, जब आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ ने सालासर रोड स्थित अपने दीक्षा गुरु धर्मशिरोमणि आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज की समाधि स्थली पर पहुंचकर भावभीने श्रद्धासुमन अर्पित किए। गुरु चरणों के दर्शन करते समय आचार्यश्री की सजल आंखें और भाव-विभोर मुद्रा वहां उपस्थित श्रद्धालुओं को भी भावुक कर गई। विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रातःकाल आचार्यश्री ससंघ गुरु की समाधि स्थली पहुंचे, जहां सैकड़ों श्रद्धालु इस ऐतिहासिक एवं भावपूर्ण क्षण के साक्षी बने। लगभग 39 वर्षों से आचार्यश्री प्रतिदिन अपने दीक्षा गुरु की परोक्ष रूप से वंदना करते रहे हैं। इस अवसर पर उन्हें गुरु की समाधि पर साक्षात चरण वंदना एवं आचार्य भक्ति करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरु दर्शन के पश्चात आचार्यश्री ने सीकर शहर के कोतवाली रोड स्थित श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, बजाज रोड स्थित दिगंबर जैन नया मंदिर तथा सालासर स्टैंड स्थित श्री महावीर स्वामी जैन मंदिर के भी दर्शन किए। डॉ. राजेश पंचोलिया ने बताया कि समाधि स्थल पर आचार्यश्री के दर्शन के बाद संघ के मुनिराजों एवं आर्यिकाओं ने सामूहिक रूप से आचार्य भक्ति का पाठ किया। समाजजनों ने आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज के चरणों का प्रक्षालन कर अष्टद्रव्यों से श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन किया। पूजन के दौरान मंत्रोच्चार आचार्यश्री एवं मुनि श्री हितेन्द्रसागर जी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि आर्यिका श्री शुभमति जी भी आचार्य श्री धर्मसागर जी से दीक्षित हैं, जबकि आर्यिका श्री विलोकमति जी ब्रह्मचारिणी अवस्था में उनके समाधि काल की साक्षी रही थीं। इस अवसर पर आशीष जयपुरिया सहित अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने समाधिस्थ आचार्य श्री धर्मसागर जी की प्रतिमा एवं चरणों का अभिषेक कर गुरु पूजा की। प्रबंध समिति के अनुसार कार्यक्रम में समाधि स्थल के ट्रस्टी राजकुमार सेठी, अध्यक्ष विमल रेटावाला, मंत्री किशोर संगही, पवन मोदी, विनोद मोदी, संतोष बिनायक्या, आनंद मोदी, प्रदीप बिनायक्या, प्रवीण भरतिया, बॉबी छाबड़ा, संजय बड़जात्या, विकास लुहाड़िया, अंकित गंगवाल, सिद्धार्थ दीवान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। संघ से जुड़े डॉ. राजेश पंचोलिया ने बताया कि आचार्यश्री के प्रेरक उपदेशों से प्रभावित राजेश जैन (जयपुर) ने आचार्यश्री से यज्ञोपवीत धारण कर शुद्ध जल ग्रहण करने का नियम लिया तथा आचार्यश्री ससंघ को आहार अर्पित कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

26 जुलाई को जयपुर हाउस में होगा आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

29 जुलाई को चातुर्मास कलश स्थापना समारोह में जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

आगरा. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति, जयपुर हाउस द्वारा शुक्रवार को विहर्ष सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित कर आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज ससंघ के वर्षायोग-2026 के अंतर्गत आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर तपस्वी सम्राट चातुर्मास समिति एवं श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति की ओर से वषायोग स्मारिका (पत्रिका) का विधिवत विमोचन भी किया गया। चातुर्मास समिति के संयोजक नीरज जैन एवं मनोज जैन (चैन वाले) ने बताया कि लगभग 20 वर्ष बाद जयपुर हाउस में आचार्यश्री का वषायोग आयोजित हो रहा है, जिससे क्षेत्र के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उल्लास का वातावरण है। आयोजन को लेकर मंदिर समिति ने व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष राकेश जैन (परदे वाले) ने बताया कि 26 जुलाई को प्रातः 7 बजे श्री दिगंबर जैन मंदिर चैत्यालय से आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा के रूप में प्रारंभ होगा। चातुर्मास के मुख्य संयोजक अमित सेठिया एवं राहुल जैन ने बताया कि शोभायात्रा विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई जयपुर हाउस स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचेगी। मार्गभर श्रद्धालु पुष्पवर्षा, मंगल आरती और जयघोष के साथ आचार्य संघ का स्वागत करेंगे। मंदिर पहुंचने पर मंगल प्रवचन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंदिर समिति के मंत्री दीपक जैन (मसाले वाले) ने बताया कि 29 जुलाई को प्रातः श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जयपुर हाउस से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो महाराजा अग्रसेन भवन, लोहामंडी पहुंचेगी। वहां आचार्यश्री ससंघ के सान्निध्य में मंगल चातुर्मास कलश स्थापना समारोह भव्यता के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर देशभर से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आगरा दिगंबर जैन परिषद के महामंत्री मनीष जैन ने बताया कि वषायोग के दौरान प्रतिदिन प्रातः एवं सायंकाल आचार्यश्री के मंगल प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष सुबोध पाटनी ने बताया कि आयोजन को सुव्यवस्थित एवं भव्य बनाने के लिए स्वागत द्वार, आकर्षक सजावट, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, यातायात, सुरक्षा तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी ससंघ का हीरा पथ में मंगल प्रवेश

रविवार को वरुण पथ में निकलेगी भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी जयपुर के मानसरोवर स्थित श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर, हीरा पथ में शुक्रवार प्रातः गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जयघोष एवं भक्ति भाव के साथ आर्यिका संघ का स्वागत किया। इससे पूर्व प्रातः 5:15 बजे आर्यिका संघ ने अग्रवाल फार्म स्थित थड़ी मार्केट दिगंबर जैन मंदिर से मंगल विहार प्रारंभ किया। विहार यात्रा विजय पथ, मीरा मार्ग, पटेल मार्ग, केंद्रीय विद्यालय एवं वीटी रोड चौराहा होते हुए हीरा पथ पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने बैंड-बाजों, जयघोष और पुष्पवर्षा के साथ आर्यिका संघ की अगवानी की। इसके बाद पदविहार करते हुए संघ का श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश कराया गया। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ के अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि मंदिर पहुंचने के बाद गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी ने जिनालय में भगवान नेमीनाथ के दर्शन किए। उनके सान्निध्य में भगवान नेमीनाथ स्वामी की वृहद शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात धर्मसभा को संबोधित करते हुए माताजी ने श्रद्धालुओं को धर्म, संयम एवं आत्मकल्याण का संदेश देते हुए मंगलमय आशीर्वचन प्रदान किए। वरुण पथ चातुर्मास समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन एवं मंत्री ज्ञानचंद बिलाला ने बताया कि गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी ससंघ का वर्ष 2026 का पावन चातुर्मास मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ में संपन्न होगा। इसके तहत रविवार, 26 जुलाई को प्रातः 7 बजे भव्य एवं ऐतिहासिक चातुर्मासिक मंगल प्रवेश यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि लगभग तीन किलोमीटर लंबी यह शोभायात्रा गाजे-बाजे, ध्वज-पताकाओं, लवाजमों और धर्म जयघोषों के साथ निकलेगी, जिसमें जयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन धार्मिक आस्था, पुण्यार्जन और समाज की एकजुटता का अनुपम अवसर बनेगा। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी का वरुण पथ में यह 32वां वषायोग है, जबकि राजधानी जयपुर में उनका प्रथम वषायोग होने के कारण समूचे जैन समाज में विशेष उत्साह एवं हर्ष का वातावरण है।

जो किसी का नहीं होता, वही सबका होता है; प्रकृति और साधु सभी के लिए हैं : राष्ट्रसंत मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज

सुमित धाम गौधा स्टेट में सर्व समाज की बैठक, 26 जुलाई को नगर में होगा भव्य मंगल प्रवेश

इंदौर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत, राजकीय अतिथि मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि ''जो किसी का नहीं होता, वही सबका होता है। प्रकृति किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि समस्त सृष्टि की है। ठीक उसी प्रकार साधु भी किसी एक परिवार या समाज के नहीं, बल्कि पूरे समाज के होते हैं।'' वे सुमित धाम, गौधा स्टेट में आयोजित सकल दिगंबर जैन समाज की विशाल बैठक एवं धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे। मुनिश्री ने कहा कि साधु स्वयं किसी के पास नहीं जाते, बल्कि सभी के कल्याण के लिए विहार करते हैं। गुरु, भगवान और माता-पिता का सान्निध्य जीवन का सौभाग्य है। जिस नगर में संतों का आगमन होता है, वह नगर धन्य हो जाता है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास साधु नहीं करते, बल्कि श्रद्धालु अपने पुण्य से चातुर्मास कराने का सौभाग्य प्राप्त करते हैं। साधु के प्रति श्रद्धा और समर्पण से जीवन में आध्यात्मिक समृद्धि आती है।

गोमटगिरि में होगी धर्मसभा

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ की 18 पिच्छिकाओं का शुक्रवार को मालवा प्रांत के प्रमुख अतिशय क्षेत्र गोमटगिरि के लिए मंगल विहार हुआ, जहां धर्मसभा एवं जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर गोमटगिरि तीर्थ समिति की ओर से सौरभ पाटौदी सहित अन्य पदाधिकारियों ने श्रीफल भेंट कर आचार्य संघ का स्वागत किया।

26 जुलाई को नगर में निकलेगा भव्य मंगल प्रवेश

सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से नवीन गौधा ने बताया कि वर्षों की श्रद्धा और प्रयासों का फल अब समाज को मिलने जा रहा है। 26 जुलाई को बड़े गणपति से राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ का भव्य नगर मंगल प्रवेश निकाला जाएगा। उन्होंने सभी समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक चातुर्मास को सफल बनाने का आह्वान किया।

सभी समाजजनों से सहयोग की अपील

प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया ने कहा कि जिस प्रकार परिवार में बारातियों का स्वागत किया जाता है, उसी प्रकार सभी समाजजनों को घराती बनकर संत संघ के मंगल प्रवेश में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। धर्मकार्य में किसी को विशेष निमंत्रण नहीं दिया जाता, बल्कि यह प्रत्येक श्रद्धालु का कर्तव्य है कि वह स्वयं आगे बढ़कर सहयोग करे। बैठक में सपना मनीष गोधा, रानी अशोक जोशी, धर्मेन्द्र जैन, आकाश जैन, आनंद गोधा, हर्ष जैन, जिनेश झांझरी, अक्षय कासलीवाल, कैलाश जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं विभिन्न जैन मंदिर समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मुनि संघ का विहार गोमटगिरि तीर्थ के लिए संपन्न हुआ।

सुबोध पब्लिक स्कूल में 'रिमझिम रंग' की धूम, नन्हें कलाकारों ने बिखेरी प्रतिभा

'मानसून मैजिक' कार्यक्रम में गीत, नृत्य, योग और नाट्य प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर कैंपस में फाउंडेशन क्लासेज की ओर से मानसून थीम पर आधारित ''रिमझिम रंग: मानसून मैजिकसस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर ग्रेटर नगर निगम की उपायुक्त सुश्री ममता नागर ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, स्कूल की कन्वीनर श्रीमती वीना जामड़ एवं प्रधानाचार्या सुश्री आशी श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। नन्हें कलाकारों ने पावर योग, मानसून आधारित गीतों, आकर्षक समूह नृत्य और जल चक्र (वॉटर साइकिल) पर आधारित प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य

आकर्षण प्री-प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों का रैंप वॉक रहा। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने ''किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त हैं'' का संदेश देकर पठन-पाठन की आदत को बढ़ावा देने का प्रेरक संदेश दिया। उनकी मासूम अदाओं और आत्मविश्वास ने उपस्थित अभिभावकों की खूब तालियां बटोरीं। स्कूल की कन्वीनर श्रीमती वीना जामड़ ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों को केवल सफल ही नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में असीम संभावनाएं होती हैं, इसलिए उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए तथा नैतिक मूल्यों का विकास शिक्षा का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। मुख्य अतिथि सुश्री ममता नागर ने कहा कि ''रिमझिम रंग'' कार्यक्रम ने उन्हें अपने बचपन की मधुर स्मृतियों से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल का भी आधार होता है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उच्च नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से भी समृद्ध करने का आग्रह किया। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रधानाचार्या सुश्री आशी श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का ग्रीन गोल्ड पौधा भेंट कर स्वागत किया। अंत में उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्य अतिथि, अभिभावकों, सहयोगी संस्थाओं एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए आयोजन को सफल बनाने में सभी के सहयोग की प्रशंसा की। कार्यक्रम के बाद अभिभावकों ने सेल्फी कॉर्नर पर बच्चों के साथ यादगार तस्वीरें खिंचवाईं। रंग, उमंग, उत्साह और रचनात्मकता से भरपूर यह आयोजन सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया।

अष्टान्हिका पर्व पर श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में उमड़ रही श्रद्धा

चौथे वलय में 64 अर्घ्य समर्पित, 29 जुलाई को हवन के साथ होगा समापन

जयपुर

अष्टान्हिका पर्व के पावन अवसर पर वैशाली नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। विधान का संचालन दिल्ली के पंडित श्री जय कुमार जी के सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक संपन्न हो रहा है। श्रीमती विनीता बोहरा ने बताया कि विधान के चौथे वलय में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ 64 अर्घ्य समर्पित किए। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु विधान में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। श्री संदीप जैन ने बताया कि प्रतिदिन सायंकाल महाआरती के पश्चात पंडित श्री जय कुमार जी द्वारा प्रतिक्रमण कराया जाता है तथा धर्मसभा में प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, संयम एवं आत्मकल्याण का संदेश दिया जाता है। श्रीमती संतोष पाटनी ने बताया कि शनिवार को विधान के पांचवें वलय में 128 अर्घ्य समर्पित किए जाएंगे। वहीं 29 जुलाई को हवन एवं पूर्णाहुति के साथ श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का विधिवत समापन होगा।

जिसे राम से प्रेम होगा, उसे संसार और शरीर से मोह नहीं रहेगा : आचार्य रामदयालजी महाराज

ज्ञान की सर्वोच्च अवस्था का नाम संत है, गृहस्थ जीवन में रहकर भी की जा सकती है संत जैसी साधना

माणिक्यनगर रामद्वारा धाम में चातुर्मासिक सत्संग

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय, शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरु आचार्य स्वामी श्री रामदयालजी महाराज ने कहा कि ङ्गजिसे राम से प्रेम होगा, उसे संसार और शरीर का मोह फीका लगने लगेगा।ङ्ग उन्होंने कहा कि स्वामी रामचरणजी महाराज की अनुभव वाणी कठिन आध्यात्मिक सत्यों को अत्यंत सरल भाषा में प्रस्तुत करती है। उनकी वाणी में सभी शास्त्रों का सार समाहित है और उसका चिंतन जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। माणिक्यनगर रामद्वारा धाम में आयोजित 'विश्व शांति कल्याण' चातुर्मास के अंतर्गत शुक्रवार को दैनिक सत्संग में आचार्यश्री ने कहा कि स्वामी रामचरणजी की वाणी सहज, सरल और सभी के लिए ग्राह्य है। बिना भजन के जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति संभव नहीं है। जो श्रद्धापूर्वक राम का स्मरण करता है, वह आत्मानंद और अखंड आध्यात्मिक समृद्धि का अधिकारी बनता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी बुद्धि के अनुसार जीवन की दिशा तय करता है, किंतु वास्तविक आनंद राम-नाम के स्मरण से ही प्राप्त होता है। सत्संग के प्रति रुचि बढ़े तो जीवन स्वतः सार्थक हो जाता है। संसार सम्मान देने में जितनी देर नहीं करता, उतनी ही शीघ्र अपमान भी दे सकता है। इसलिए जीवन का लक्ष्य राममय होना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि संत का अर्थ केवल विशेष वेश धारण करना नहीं है। ज्ञान की सर्वोच्च अवस्था का नाम ही संत है। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक ऐसे गृहस्थ हैं, जिनका बाहरी वेश संतों जैसा नहीं है, लेकिन उनका ज्ञान, संयम और साधना किसी संत से कम नहीं है। वे गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी आहार, विहार, वाणी और व्यवहार में अनुशासन बनाए रखते हैं तथा लोक दिखावे से दूर रहकर भजन और आत्मचिंतन में जीवन व्यतीत करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे संयमी गृहस्थ, जो संसार में रहते हुए भी उससे अलिप्त रहते हैं, वास्तव में संतत्व के आदर्श को चरितार्थ करते हैं। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि आध्यात्मिक उन्नति केवल संन्यास में ही नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन में रहकर भी संभव है। प्रवचन से पूर्व रामस्नेही संप्रदाय के वरिष्ठ संत नरपत रामजी (उदयपुर) ने भी धर्म संदेश दिया। प्रवचन के समापन पर श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सत्संग में भीलवाड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि एकादशी के अवसर पर शनिवार को दोपहर 3 से 4 बजे तक रामद्वारा धाम में रामस्नेही संप्रदाय के प्रथम आचार्य वीतराग महाराज श्री रामजन्नजी महाराज की वाणीजी का पाठ होगा। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन प्रातः 8:30 से 9:00 बजे तक वाणीजी का पाठ, 9:00 से 10:00 बजे तक सत्संग तथा सूर्यास्त के समय संध्या आरती का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता निभा रहे हैं।

मनोज्ञाचार्य पुलकसागरजी महाराज का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश आज

शाम 4 बजे रामधाम से निकलेगी भव्य शोभायात्रा, सर्व समाज करेगा अगवानी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

ओजस्वी प्रवचनकार एवं प्रख्यात राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पूज्य गुरुदेव पुलकसागरजी महाराज के चातुर्मासिक मंगल प्रवेश का वर्षों से प्रतीक्षित शुभ अवसर शनिवार को साकार होगा। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, मेन सेक्टर शास्त्रीनगर के तत्वावधान तथा सकल दिगंबर जैन समाज के सहयोग से आयोजित चातुर्मास के लिए पूज्य गुरुदेव शनिवार शाम 4 बजे रामधाम चौराहे से भव्य शोभायात्रा के साथ नगर में मंगल प्रवेश करेंगे। श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि गुरुदेव का भीलवाड़ा में यह प्रथम चातुर्मास है, जिसे लेकर दिगंबर जैन समाज ही नहीं, बल्कि जैनेतर समाज में भी विशेष उत्साह का वातावरण है। सर्व समाज द्वारा भव्य राजकीय शैली में स्वागत एवं अभिनंदन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुदेव के साथ छह संत एवं तीन क्षुल्लिकाएं भी मंगल प्रवेश शोभायात्रा में शामिल होंगी। चातुर्मास संयोजक मनीष शाह ने बताया कि शोभायात्रा रामधाम चौराहे से प्रारंभ होकर रेलवे फाटक, मुरली विलास रोड, स्टेशन चौराहा, गोल प्याऊ, नेताजी सुभाष मार्केट, सिंधुनगर एवं शास्त्रीनगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर होते हुए सूर्यमहल पहुंचेगी। शोभायात्रा में ड्रोन से पुष्पवर्षा की जाएगी। नासिक का प्रसिद्ध ढोल बैंड, उज्जैन का महाकाल ताशा बैंड तथा पुष्कर के अंतरराष्ट्रीय नगाड़ा वादक नाथूसिंह सोलंकी अपनी टीम के साथ आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दिगंबर जैन महिला मंडलों द्वारा देशभक्ति एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित सजीव झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। चातुर्मास सहसंयोजक लोकेश अजमेरा ने बताया कि नेताजी सुभाष मार्केट में 108 थालियों से गुरुदेव का पादप्रक्षालन किया जाएगा। शोभायात्रा मार्ग पर आकर्षक लाइव रंगोली भी सजाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 1 अगस्त को चित्रकूटधाम में गुरु गुणानुवाद कार्यक्रम तथा 2 अगस्त को चातुर्मासिक मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित होगा। इन आयोजनों में देशभर से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि चातुर्मास के दौरान 15 से 30 अगस्त तक चित्रकूटधाम में ज्ञान गंगा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। वहीं नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 8:30 से 10:00 बजे तक शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल में होंगे।

चित्तौड़ रोड स्थित फार्म हाउस पहुंचे गुरुदेव

शुक्रवार को पूज्य पुलकसागरजी महाराज मंडपिया स्थित आरएसडब्ल्यूएम परिसर से विहार कर चित्तौड़ रोड पर ब्रांडेड फैक्ट्री के सामने स्थित शाह फार्म हाउस पहुंचे। विहार मार्ग में नायरा पेट्रोल पंप पर दिलीप चौधरी, प्रवीण चौधरी, नवीन चौधरी, राहुल चौधरी एवं उनके परिवारजनों ने पादप्रक्षालन कर गुरुदेव का भावभीना स्वागत किया। शनिवार प्रातः गुरुदेव न्यू आजादनगर स्थित जय विलास होटल पहुंचेंगे, जहां से दोपहर 3 बजे प्रस्थान कर रामधाम चौराहे से नगर में भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश करेंगे।

श्री 1008 इन्द्रध्वज महामंडल विधान में गूंजे जयकारे

सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी ससंघ के सान्निध्य में बह रही धर्म की गंगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेठी कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका 105 श्री जिनदेवी माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में आयोजित श्री 1008 इन्द्रध्वज महामंडल विधान श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ जारी है। विधान के चौथे दिन जयकारों के बीच मंडल पर विधि-विधान से अर्घ्य समर्पित किए गए तथा इन्द्रध्वज चढ़ाया गया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर धर्म जयघोषों से गुंजायमान हो उठा। मंदिर समिति के अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी, महामंत्री धमीचंद कासलीवाल, कोषाध्यक्ष राकेश मुशर्रफ एवं रवि सौगानी ने बताया कि प्रतिदिन प्रातः मूलनायक भगवान महावीर स्वामी का अभिषेक संपन्न होने के बाद गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी के मुखारविंद से मंत्रोच्चार के साथ महाशांतिधारा कराई जा रही है। संगीतमय वातावरण में श्रद्धालु भक्तिभाव से विधान पूजन कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। धर्मसभा का शुभारंभ चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पूज्य माताजी का पादप्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की। अपने मंगल प्रवचन में गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी ने कहा कि प्रत्येक श्रावक को अपनी सामर्थ्य के अनुसार धर्म और दान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ''धर्म की जड़ सदैव हरी रहती है।'' धर्म और दान का पुण्य न केवल वर्तमान जीवन को, बल्कि आगामी भव को भी श्रेष्ठ बनाता है। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि माताजी के आशीर्वाद एवं सान्निध्य में विधान अत्यंत भव्य एवं दिव्य वातावरण में संपन्न हो रहा है। सायंकाल आयोजित कार्यक्रम में इन्द्र-इन्द्राणियों ने भक्तिभाव से नृत्य करते हुए भगवान एवं श्री 1008 इन्द्रध्वज महामंडल विधान की संगीतमय आरती की। इसके साथ ही विधान जाप एवं धर्म आधारित प्रश्न मंच का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को जैन धर्म के सिद्धांतों और धार्मिक परंपराओं की जानकारी दी गई।

चित्रकूट जैन मंदिर में मुनि विशाल सागर महाराज की 13 घंटे की अखंड तपस्या

आचार्य विशद सागर महाराज के सान्निध्य में अष्टानिका महापर्व पर श्री नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान जारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कॉलोनी के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर क्षमामूर्ति

साहित्य रत्नाकर आचार्य विशद सागर महाराज ससंघ के मंगलमय सान्निध्य तथा बाल ब्रह्मचारी अभिषेक भैया 'मनु' के प्रतिष्ठाचार्यत्व निर्देशन में 21 से 29 जुलाई तक श्री नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में संघस्थ जयपुर गौरव परम पूज्य मुनि विशाल सागर महाराज ने अपनी कठिन साधना और तप का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने 23 जुलाई रात्रि 8 बजे से 24 जुलाई प्रातः 9 बजे तक लगातार 13 घंटे विधान स्थल पर एक ही स्थान पर पद्मासन मुद्रा में ध्यानस्थ रहकर अखंड तपस्या की। उनकी इस कठोर साधना ने उपस्थित श्रद्धालुओं को गहराई से प्रभावित किया। मुनिश्री की तपस्या के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और उनके दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित किया। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा। अष्टानिका महापर्व के अंतर्गत प्रतिदिन श्री नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान, पूजन, अभिषेक, धार्मिक अनुष्ठान एवं प्रवचनों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागी बनकर पुण्यार्जन कर रहे हैं।

DOLPHIN WATERPROOFING
आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।
छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
For Your New & Old Construction
DR. FIXIT WATERPROOFING EXPERT

RAJENDRA JAIN
Dr. Fixit Authorised Project Applicator
Mo. 80036-14691
116/194, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

महापौर अशोक तिवारी ने किया रोजेंन ई-बाइक शोरूम का शुभारंभ

हरित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम

वाराणसी (संतोष कुमार सिंह)। लहरतारा क्षेत्र में रोजेंन ई-बाइक के नए शोरूम का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर शोरूम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता भी हैं। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के अधिकाधिक उपयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम में कैंट विधायक सौरव श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने रोजेंन ई-बाइक परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता उपयोग स्वच्छ, प्रदूषणमुक्त और हरित भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि नया शोरूम क्षेत्र के लोगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराएगा और ई-वाहनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह में कांता देवी, नीलिमा पम्मनानी, ज्ञानचंद पम्मनानी, भावेश पम्मनानी, जय प्रकाश मनानी, रेशमा मनानी एवं कमला प्रसाद सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने शोरूम के शुभारंभ पर संचालकों को बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल व्यावसायिक भविष्य की कामना की।

35 वर्षों बाद मुरलीपुरा में होगा आर्यिका श्री सुकाव्यमति माताजी ससंघ का वात्सल्य चातुर्मास

26 जुलाई को निकलेगा भव्य मंगल प्रवेश जुलूस

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, मुरलीपुरा के इतिहास में लगभग 35 वर्षों बाद पहली बार परम पूज्य आर्यिका 105 श्री सुकाव्यमति माताजी ससंघ (क्षुल्लिका सुज्ञप्तिमति माताजी सहित), जो राष्ट्रसंत आचार्य 108 श्री सुंदर सागरजी महाराज की सुयोग्य शिष्या हैं, का वात्सल्य चातुर्मास आयोजित होगा। इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर मुरलीपुरा क्षेत्र सहित सकल दिगंबर जैन समाज में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण है। मंदिर समिति के अध्यक्ष नीरज जैन ने बताया कि रविवार, 26 जुलाई को प्रातः 6:15 बजे सेक्टर-1, न्यू विद्याधर नगर से आर्यिका संघ का मंगल विहार प्रारंभ होगा। इसके बाद अल्का सिनेमा से श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, मुरलीपुरा तक भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में धर्मध्वजाएं, सुसज्जित बैंड, जिनधर्म के जयघोष, पुष्पवर्षा, आकर्षक स्वागत द्वार तथा पारंपरिक वेशभूषा में श्रद्धालुओं की सहभागिता

विशेष आकर्षण रहेगी। मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं आर्यिका संघ का स्वागत-अभिनंदन करेंगी तथा श्रद्धालु दर्शन-वंदना का लाभ प्राप्त करेंगे। मुरलीपुरा सकल दिगंबर जैन समाज ने धमार्नुरागी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पूज्य आर्यिका श्री सुकाव्यमति माताजी ससंघ के मंगल प्रवेश का स्वागत करने तथा इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन के साक्षी बनकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है।

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धालु कर रहे हैं अभिषेक-शांतिधारा, धर्मलाभ का आह्वान

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुहाना मंडी स्थित पारस विहार, मोहनपुरा के लगभग 300 वर्ष प्राचीन पाषाण प्रतिमा विराजित चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में महामना महातपस्वी आचार्य श्री 108 कुशाग्रनंदीजी महाराज के मंगल आशीर्वाद से प्रतिदिन आसपास की कॉलोनियों के सकल जैन समाज के श्रद्धालु अभिषेक एवं शांतिधारा कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार) की शांतिधारा के पुण्यार्जक धौलाई स्थित कृष्णा सरोवर निवासी 8वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अधिराज रहे। इस अवसर पर उनके दादा आर. के. जैन (रेलवे), दादी महिमा जैन, माता-पिता अंकित-पायल जैन तथा अनिका जैन परिवार सहित उपस्थित रहे। मंदिर समिति के अनुसार मंदिर परिसर लगभग 3166.66 वर्गगज क्षेत्रफल में विकसित है। परिसर चारों ओर से सड़क से जुड़ा हुआ है तथा यहां विशाल मंदिर प्रांगण, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के लिए विशाल कवर्ड पंडाल तथा लगभग 450 श्रद्धालुओं के एक साथ वात्सल्य भोज की व्यवस्था उपलब्ध है। भोजन निर्माण के लिए भी पर्याप्त सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त परिसर में धोती, दुपट्टे सहित अन्य आवश्यक धार्मिक व्यवस्थाएं भी उपलब्ध हैं। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि एवं अन्य शुभ अवसरों पर अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार सहयोग या दान देकर अथवा निःशुल्क अभिषेक एवं शांतिधारा का पुण्य लाभ प्राप्त करें। अभिषेक एवं शांतिधारा कराने के इच्छुक श्रद्धालु मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र के. सेठी से संपर्क कर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

दो दिवसीय शारीरिक शिक्षक संगोष्ठी संपन्न, खेलों के विकास पर हुआ मंथन

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)

स्थानीय कैरियर एकेडमी स्कूल में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय शारीरिक शिक्षक संगोष्ठी का शुक्रवार को समापन हुआ। संगोष्ठी में जिलेभर से आए शारीरिक शिक्षकों ने भाग लिया तथा विद्यालय स्तर पर खेल प्रतिभाओं के विकास और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण देने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) भंवरलाल एवं सीबीईओ चंदन सिंह चौहान ने शारीरिक शिक्षकों का आह्वान किया कि वे नियमित अभ्यास, अनुशासित प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सतत प्रयास करें। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न खेल विशेषज्ञों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। हैंडबॉल विशेषज्ञ रूपसिंह राठौड़, फुटबॉल विशेषज्ञ मंगल सिंह, हॉकी विशेषज्ञ सुनील सैनी, एथलेटिक्स विशेषज्ञ दिनेश कुमार तथा क्रिकेट विशेषज्ञ रोशनलाल ने संबंधित खेलों के मैदानों के रेखाचित्र, मूल नियमों एवं रेफरी संकेतों की विस्तार से जानकारी दी। उद्घाटन सत्र में उप जिला शिक्षा अधिकारी सुमित्रा पंवार, कैरियर एकेडमी के निदेशक बलवंत सारण, प्रधानाचार्य जैसाराम जांगू, संगोष्ठी अध्यक्ष मंगल सिंह, सचिव अशोक दीवाकर सहित जिलेभर से आए बड़ी संख्या में शारीरिक शिक्षक उपस्थित रहे।

'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत महावीर पब्लिक स्कूल में हुआ वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्य सरकार के 'हरियालो राजस्थान' एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत महावीर पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन एवं कोऑर्डिनेटर श्रीमती निकिता कुंभट के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी भूमिका तथा सतत विकास के लिए पौधारोपण की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने कहा कि प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर उनकी नियमित देखभाल करने और अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहन मिला। विद्यालय परिवार ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-संतुलित राजस्थान के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की प्रथम बोर्ड एवं कमेटी बैठक सम्पन्न

पुष्कर में होने वाले राजतिलक एवं शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की प्रथम बोर्ड एवं कमेटी बैठक उत्साह, अनुशासन एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 8 एवं 9 अगस्त को पुष्कर में आयोजित होने वाले राजतिलक एवं शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में समारोह के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए बोर्ड पदाधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों को उनके दायित्वों के अनुरूप जिम्मेदारियां सौंपी गईं। आगामी सेवा एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी सदस्यों से टीम भावना, अनुशासन और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के नवीन बोर्ड का विधिवत गठन किया गया। सभी पदाधिकारियों का परिचय कराते हुए उन्हें उनके दायित्व एवं पदभार सौंपे गए। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन ने कहा कि पुष्कर में आयोजित होने वाला राजतिलक एवं शपथ ग्रहण समारोह केवल पदभार ग्रहण का आयोजन नहीं, बल्कि रोटरी की सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक शक्ति का उत्सव होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयासों से यह समारोह भव्य, गरिमामय एवं यादगार बनेगा। उन्होंने कहा कि नए रोटरी वर्ष में क्लब सेवा, सामाजिक सरोकार, व्यावसायिक विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा जनकल्याण से जुड़े अनेक अभिनव प्रकल्पों के माध्यम से समाजहित में प्रभावी कार्य करेगा। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने पुष्कर में आयोजित राजतिलक एवं शपथ ग्रहण समारोह को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। इसके पश्चात सभी सदस्यों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया गया।

जयपुर की बेटी की बड़ी उपलब्धि

राजिता पाटनी को पीएच.डी. की उपाधि

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने प्रदान की डॉक्टरेट की मानद उपाधि

शोध-प्रबंध का शीर्षक: जैव-संश्लेषित नैनोकणों का उपयोग करके वस्त्र रंजकों का क्षरण

पर्यवेक्षक: डॉ. पंकज कुमार जैन

विभाग: इंदिरा गांधी सेंटर फॉर ह्यूमन इकोलॉजी, एनवायरनमेंटल एंड पापुलेशन स्टडीज (IGC HEEPS)

विश्वविद्यालय: राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

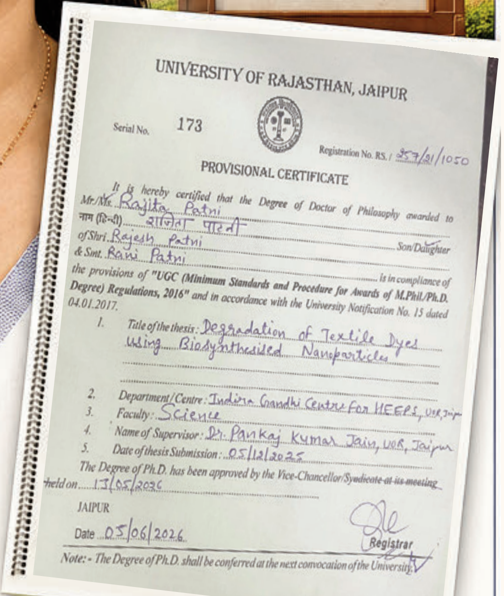

UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR

Serial No. 173

Registration No. RS./ 257/21/1050

PROVISIONAL CERTIFICATE

It is hereby certified that the Degree of Doctor of Philosophy awarded to Mr./Ms. Rajita Patni

नाम (हिन्दी) राजिता पाटनी

of Shri Rajesh Patni Son/Daughter

& Smt. Rani Patni is in compliance of the provisions of "UGC (Minimum Standards and Procedure for Awards of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulations, 2016" and in accordance with the University Notification No. 15 dated 04.01.2017.

1. Title of the thesis: Degradation of Textile Dyes using Biosynthesized Nanoparticles
2. Department/Centre: Indira Gandhi Centre for HEEPS, UOR, Jaipur
3. Faculty: Science
4. Name of Supervisor: Dr. Pankaj Kumar Jain, UOR, Jaipur
5. Date of thesis Submission: 05/12/2025

The Degree of Ph.D. has been approved by the Vice-Chancellor/~~Syndicate at its meeting held on~~ 13/05/2026

JAIPUR

Date 05/06/2026

Registrar

Note: - The Degree of Ph.D. shall be conferred at the next convocation of the University.

> "यह उपलब्धि मेरे परिवार, गुरुजनों और सभी शुभचिंतकों के आशीर्वाद का प्रतिफल है। मैं पर्यावरण के क्षेत्र में और अधिक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हूं।"

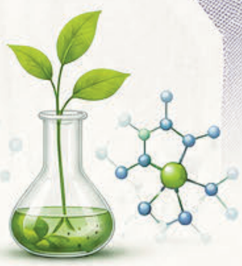

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर निवासी राजिता पाटनी को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा इंदिरा गांधी सेंटर फॉर ह्यूमन इकोलॉजी, एनवायरनमेंटल एंड पॉपुलेशन स्टडीज (आईजीसी-एचईईपीएस) विभाग से ''जैव-संश्लेषित नैनोकणों का उपयोग करके वस्त्र रंजकों का क्षरण'' विषय पर शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। राजिता पाटनी ने अपना शोध कार्य डॉ. पंकज कुमार जैन के निर्देशन में पूर्ण किया। उनके शोध में जैव-संश्लेषित नैनोकणों के माध्यम से वस्त्र उद्योग से निकलने वाले हानिकारक रंजकों के पर्यावरण-अनुकूल क्षरण का महत्वपूर्ण अध्ययन किया गया है। यह शोध पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा हरित प्रौद्योगिकी (ग्रीन टेक्नोलॉजी) के क्षेत्र में उपयोगी एवं महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगा। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उनके परिजनों, गुरुजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।